

एक नजर में

ग्रामीणों को सिखाए सायबर सुरक्षा के गुर



बड़वानी। साइबर अपराधों पर लगाम लगाने और आमजन को डिजिटल उगी से बचाने के लिए बड़वानी पुलिस लगातार सक्रिय है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार, जिले में सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में एसपी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन तथा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में सिलावद पुलिस ने कई क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम किए। जिसमें थाना नागलवाड़ी की पुलिस चौकी औझर व थाना पाटी की पुलिस चौकी कोकराटा पुलिस टीम, थाना ठीकरी पुलिस द्वारा ग्राम ब्राह्मणगांव स्थित नर्मदा घाट के आश्रम में एवं थाना सिलावद पुलिस टीम ने बस स्टैंड सिलावद, ग्राम पखालिया और ग्राम मैनीमाता बस स्टैंड पर आम नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान पुलिस ने पाप्मटेट वितरित कर लोगों को वर्तमान में बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया उगी और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के व्यावहारिक उपाय समझाए। अपना ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम पिन या पासवर्ड कभी भी किसी अज्ञान व्यक्ति के साथ सांझा नहीं करें। अभियान को सफल बनाने में सउनि विनोद मीणा, प्रधान आरक्षक यशवंत यादव, सरवन और आरक्षक सुनील की भूमिका रही।

मुहर्रम पर कलेक्टर-एसपी ने लगातार किया दौरा



बड़वानी। मुहर्रम पर्व के दृष्टिगत जिले में कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से 26 जून 2026 को कलेक्टर जयंती सिंह एवं एसपी पद्मविलोचन शुक्ल ने कस्बा राजपुर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर एवं एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली तथा संवेदनशील स्थानों, जुलूस मार्ग एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं सामाजिक समरसता बनाए रखते हुए मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न कराने की अपील की। इस दौरान एसपी धीरज बब्बर, एसडीएम कुमार सानू, एसडीओपी आयुष अलावा, तहसीलदार गणपत डावर एवं थाना प्रभारी राजपुर माधव सिंह ठाकुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेषज्ञ ने धूम्रपान छोड़ने समय पर कदम उठाने पर दिया जोर

इंदौर. इंदौर में तंबाकू सेवन के स्वरूप में एक चिंताजनक बदलाव देखने को मिल रहा है. स्कूल जाने वाले बच्चों और किशोरों में तंबाकू सेवन की शुरुआत पहले की तुलना में कम उम्र में हो रही है, जिससे लंबे समय में जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं. हाल ही में जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण कार्यशालाओं में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि ग्लोबल यूथ टैबैको सर्वे के अनुसार मध्य प्रदेश में 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के 3 से 9 प्रतिशत छात्र पहले से ही किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं. इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि स्कूलों और प्रवर्तन एजेंसियों से मिले संकेत बताते हैं कि नियमों के बावजूद शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता बनी हुई है. माइडक्यूब ब्रेन विलनिक, इंदौर के डॉ. राजवर्धन भंडार, एमबीबीएस, एमडी ने कहा इंदौर में हम एक स्पष्ट बदलाव देख रहे हैं. बच्चे पहले की तुलना में कम उम्र में निकोटिन के संपर्क में आ रहे हैं. यदि ऐसा किशोरावस्था में होता है, तो इसका असर मस्तिष्क के विकास पर पड़ता है और लत लगने की संभावना अधिक मजबूत हो जाती है। ऐसे में जब ये बच्चे वयस्क होते हैं, तब धूम्रपान छोड़ना उनके लिए कहीं अधिक कठिन हो जाता है.

एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल का सर्वाइवर मीट

इंदौर. राष्ट्रीय कैंसर सर्वाइवर माह के अवसर पर एचसीजी कैंसर हॉस्पिटल इंदौर ने कैंसर सर्वाइवर्स मीट का आयोजन किया. इस विशेष कार्यक्रम में कैंसर सर्वाइवर्स, उनके देखभालकर्ता (केयरगिवर्स), डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा कैंसर के बाद के जीवन, सहज, दृढ़ता और जीत का उत्सव मनाया. यह कार्यक्रम कैंसर सर्वाइवर्स के लिए एक ऐसा मौका बना, जहां उन्होंने निदान, उपचार, स्वस्थ होने और कैंसर से उबरने तक की अपनी व्यक्तिगत यात्राओं को साझा किया .

पेटलावद में अकीदत और भाईचारे के साथ मुहर्रम का पर्व हुआ संपन्न

पेटलावद। नगर में शुक्रवार को मुहर्रम का पर्व पूरी श्रद्धा, सांप्रदायिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशासन की मुस्लैदी और दोनों समुदायों के आपसी सहयोग के चलते यह आयोजन पूरी गरिमा के साथ पूर्ण हुआ। दोपहर 2 बजे से नगर के विभिन्न अखाड़ों से 12 ताजियों का विशाल जुलूस पारंपरिक मार्ग से निकाला गया। हजारों अकीदतमंदों का कारवां शहर के मुख्य मार्गों से होकर कर्बला मैदान तक पहुंचा। इस दौरान मातमी धुनों पर सीनाजनी करते युवाओं का जज्बा देखते ही बन रहा था।

कर्बला मैदान पहुंचकर इस्लामिक परंपराओं के अनुसार हर ताजिये के सामने सलाम व फातिहा पढ़ी गई। इसके बाद ताजियों पर गुलाब जल और पवित्र जल का छिड़काव कर रस्मों को अंदा किया गया। देर शाम सभी



ताजियों को घूरे सम्मान के साथ वापस लाकर इमामबाड़ों में स्थापित कर दिया गया। इस दौरान मानवीय संवेदनाओं की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली, जहाँ तपती दोपहरी में जुलूस में शामिल रोजेदारों और बुजुर्गों के लिए स्थानीय लोगों ने अपने हाथों से

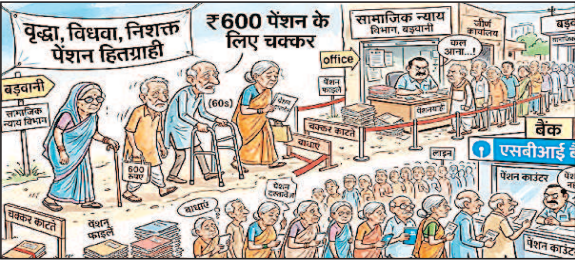
शरबत पिलाकर उनकी सेवा की। सुरक्षा और व्यवस्था के मद्देनजर विद्युत विभाग ने जुलूस मार्ग के सभी झूलते तारों को पहले ही दुरुस्त कर दिया था, वहीं नगर परिषद द्वारा जगह-जगह पानी के टैंकर व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

पेंशन के लिए भटक रहे हजारों बेसहारा

बड़वानी, (नवभारत)।

एक ओर सरकार योजनाओं को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के दावे कर रही है। दूसरी तरफ सिस्टम के एक तकनीकी बदलाव ने जिले के 72 हजार 57 बेसहारा लोगों के मुंह का निवाला छीन लिया है। जिन बुजुर्गों, विधवाओं और निशकों का पूरा जीवन सिर्फ 600 रुपए महीने की पेंशन पर टिका है, वे पिछले चार महीने से एक-एक पैसे के लिए मोहताज हैं।

जानकारी अनुसार इसका कारण पेमेंट का गेटवे बदलना बताया जा रहा है, लेकिन यह प्रक्रिया इतनी धीमी है कि जिले के 72057 लोगों के करीब 4.32 महीने के अनुसार पिछले 4 महीने की 17.29 करोड़ रुपए से अधिक पेंशन राशि अटकी हुई है। हालात यह है कि बुजुर्ग हर महीने 5 से 6 बार बैंक की चौखट पर सिर्फ यह आस लेकर पहुंचते हैं कि शायद पेंशन राशि अटकी हुई है। आ गए हो, लेकिन हर बार खाली पासबुक देख उम्मीदें टूट जाती हैं। इसके बाद शुरू होता है सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने का सिलसिला,



तकनीकी खामी का दे रहे हवाला

शिकायतों का अंबार, समाधान नदारद पेंशन न मिलने के कारण भूखे मरने की नौबत तक पहुंच चुके लोग हर सप्ताह जनसुनावई में कलेक्टर के पास पहुंच रहे हैं। हर मंगलवार 5 से 10 शिकायतें सिर्फ इसी मुद्दे की होती हैं। वहीं सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायतों का आंकड़ा 100 के करीब पहुंच चुका है। बावजूद इसके तकनीकी खामी का हवाला देकर लोगों को वापस लौटा दिया जाता है।

जहां से उन्हें सिर्फ इंतजार करने की नसीहत मिलती है। जिले में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 12 प्रकार की पेंशन योजनाएं संचालित हैं, जिनसे 96267 लोगों को हर माह करीब 5.77 करोड़ रुपए से अधिक की राशि बांटी जाती है। प्रदेश सरकार की 9 योजनाओं की राशि तो हितग्राहियों तक पहुंच रही है, लेकिन पेंच केंद्र सरकार की तीन योजनाओं में फंसा है। इंदिरा

रहते हैं। जीवन का इकलौता सहारा पेंशन है, लेकिन पिछले चार माह से यह बंद है। अब जर्जर शरीर और लाठी के सहारे दफ्तरों की खाक छान रहे हैं। शहर के ही 80 वर्षीय रमिला बाई की आंखों की रोशनी ढलती उम्र के साथ कम हो गई है। ऐसे वक्त में जब उन्हें सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत है, उनकी पेंशन भी चार माह से अटकी हुई है। वहीं शहर की एक 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला का दर्द किसी को भी झकझोर सकता है। चार माह से पेंशन नहीं आई, तो पेट की आग बुझाने के लिए इस उम्र में वे लोगों के घरों में बर्तन मांजने के लिए मजबूर हैं।

जल्द मिलेगी पेंशन राशि

पेमेंट गेटवे चेंज हो रहा है, जिसके कारण केंद्र की पेंशन योजनाओं की राशि फरवरी महीने से अटकी है। उच्च अधिकारियों ने वीसी में इस माह तक सुधार होकर जल्द हितग्राहियों के खातों में राशि पहुंचने का कहा है।

रौनक सोलंकी,
उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग बड़वानी

गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन से 50302, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन से 19674 और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक पेंशन से 2081 लोगों को हर माह 600-600 रुपए मिलते हैं। इन्हीं तीनों योजनाओं की राशि 43234200 रुपए अटकी हुई है।

जमीनी हकीकत जो सिस्टम को नहीं दिखती

75 वर्षीय रामसिंह अकेले

तीन ताल बावड़ी में किया श्रमदान



मोयदा, दोदवाड़ा शिक्षा एवं सामाजिक संस्थान सेक्टर खेतिया, सामाजिक विकास एवं शिक्षा जन सेवा संस्था सेक्टर मोरतलाई एवं देवमोगरा ग्राम विकास समिति सेक्टर एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राओं में ग्राम जलगीन में

अति प्राचीन तीन ताल बावड़ी पर उत्सव मनाया।

मेंटर चेतन चंद्राजे ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि अजय आर्य ने की। मेंटर डॉ जागीरदार बडें ने बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। आधार श्याम सिरसाट ने माना।

भाजपा कार्यकर्ता के सहारा बने कैबिनेट मंत्री चौहान, 1 लाख की मदद की

बीमारी से पीड़ित होने पर ली स्वास्थ्य की भी जानकारी

आलीराजपुर। भारतीय जनता पार्टी के उदयगढ़ मंडल के पुराने और समर्पित कार्यकर्ता राजेंद्र सिंह को गंभीर बीमारी के दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने संवेदनशीलता और आत्मीयता का परिचय देते हुए उन्हें मंत्री स्वेच्छानुदान से 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस सहयोग से यह संदेश भी गया कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में सदैव उनके साथ खड़ी रहती है। भाजपा जिला महामंत्री राजू मुवेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जैसे ही कैबिनेट मंत्री चौहान को यह सूचना मिली कि उदयगढ़ मंडल के पुराने एवं समर्पित भाजपा कार्यकर्ता राजेंद्र सिंह गंभीर बीमारी की आशंका के चलते जांच एवं उपचार के लिए अस्पताल



पहुंचे हैं, उन्होंने बिना देर किए स्वयं फोन कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। साथ ही अस्पताल से उपचार का चिकित्सा प्रकल्प (एस्टीमेट) तैयार कर भेजने के निर्देश भी दिए, ताकि आवश्यक आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जा सके। हालांकि समय पर चिकित्सा प्रकल्प उपलब्ध नहीं हो सका और राजेंद्र सिंह का ऑपरेशन होने के बाद वे उपचार लेकर अपने गृह

ग्राम उदयगढ़ लौट आए। इसकी जानकारी मिलते ही कैबिनेट मंत्री चौहान ने भाजपा जिला महामंत्री राजू मुवेल एवं पूर्व विधायक माधोसिंह डावर को उनके निवास पर भेजकर स्वास्थ्य की जानकारी लेने के निर्देश दिए। इस दौरान

परिवार को यह भरोसा भी दिलाया गया किसे किसी भी प्रकार की आवश्यकता या कठिनाई आने पर वे निःसंकोच मंत्री चौहान अथवा संगठन के किसी भी पदाधिकारी से संपर्क करें, हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

मंत्री नागरसिंह चौहान ने दी 1 लाख की आर्थिक सहायता

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी एवं विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता ने बताया कि इसी क्रम में कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने मंत्री स्वेच्छानुदान से 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए राजेंद्र सिंह एवं उनके परिवार को संबल दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान और उसका सुख-दुख सभी का साझा दायित्व होता है। चौहान ने कहा कि वर्षों से संगठन के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान करना और आवश्यकता पड़ने पर उनके साथ खड़ा रहना उनका नैतिक दायित्व है। उन्होंने राजेंद्र सिंह के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि पूरा भाजपा परिवार उनके साथ है और भविष्य में भी हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। परिवारजनों ने कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में मिला यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मीयता, विश्वास और अपारत्व का प्रतीक है। मंत्री चौहान की संवेदनशील पहल से पूरे परिवार को नई ऊर्जा और मानसिक संबल प्राप्त हुआ।

एआई+ स्मार्टफोन के नोवा 2 प्रो और नियो की बिक्री शुरू

इंदौर. एआई+ स्मार्टफोन ने आज अपने नए स्मार्टफोन- नोवा 2 प्रो और नोवा 2 नियो की बिक्री शुरू कर दी है. नोवा सीरीज के तहत लॉन्च किए गए ये स्मार्टफोन अलग-अलग तरह के ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में

रखकर तैयार किए गए हैं. चाहे पहली बार स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले हों या बेहतर परफॉर्मेंस चाहने वाले ग्राहक, ये दोनों डिवाइस 26 जून को दोपहर 12 बजे से पिलपकॉर्ट और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे. बिक्री शुरू

होने पर अपने विचार साझा करते हुए माधव शेट, ईईओ, एआई+ स्मार्टफोन एवं संस्थापक, नेक्स्टक्रॉम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज ने कहा नोवा 2 नियो और नोवा 2 प्रो हमारे उस प्रयास का उदाहरण हैं,

एक नजर में कावेंट और अंग्रेजी माध्यम के दौर में संस्कृत भाषा में पढ़ाई कर दे रही संस्कृति को बढ़ावा

देवभाषा संस्कृत में 10वीं पास कर दीपराज शर्मा ने किया गौरवान्वित

पेटलावद। हमारे अंचल की प्रतिभाओं ने हमेशा अपन मेहनत, लगन और कम संसाधनों में भी बेहतरीन परिणाम देकर अपने, परिवार समाज और क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। ऐसी एक बड़ी उपलब्धि हमारे वनवासी अंचल को फिर से मिली जिसमें क्षेत्र के होनहार छात्र दीपराज पिता भरत शर्मा ने देवभाषा संस्कृत में 10 की परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए गौरवान्वित किया है।

दरअसल मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता



प्राप्त महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान, मध्यप्रदेश द्वारा घोषित

कक्षा 10वीं (सत्र 2025-26) के परीक्षा परिणाम में मूलरूप से कल्याणपुरा ओर वर्तमान निवासी पेटलावद के होनहार छात्र दीपराज शर्मा ने सफलता प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। दीपराज शर्मा ने कुल 340 अंक प्राप्त कर संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वर्तमान अंग्रेजी माध्यम और कानूनी स्कूलों के दौर में आज के समय में संस्कृत भाषा से अध्ययन करना अति कठिन हो चला है। ऐसे में पुरातन

काल की परम्परा अनुसार संस्कृत भाषा जिसे कि देवताओं की भाषा माना जाता है में किसी छात्र द्वारा 10 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना बड़ी उपलब्धि है। जिसे दीपराज शर्मा ने उत्तीर्ण कर के बड़ी उपलब्धि हासिल की हैं। बताते चले कि दीपराज शर्मा वर्तमान में उज्जैन स्थित क्षेत्र के प्रसिद्ध गोपालधाम आश्रम गुरुकुल में भारतीय संस्कृति के वेद,पुराणों का अध्ययन करते हुए कर्मकांड,ओर पूजा विधि की शिक्षा भी ग्रहण कर रहा है।

दिल्ली पुलिस ने जताया आभार

वरला पुलिस ने आरोपियों से शतप्रतिशत मशरुका बरामद कर उन्हें दिल्ली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इस त्वरित कार्रवाई और सफलता पर दिल्ली पुलिस ने बड़वानी एसपी एवं स्थानीय पुलिस टीम उनि छलुलाल चौहान, सउनि महेन्द्रसिंह चौहान, आरक्षक विपेशद का विशेष आभार व्यक्त किया है।

गठित की। 25 जून को ग्राम उमटी में घेराबंदी कर 3 मुख्य आरोपियों सुलेन्द्रसिंह उमटी, अकालसिंह पलसूद व प्रकाशसिंह ओझर को धर दबोचा।

मामला दिल्ली के थाना लक्ष्मी नगर क्षेत्र का है, जहां 18 जून को भारी मात्रा में सोने के आभूषणों की चोरी हुई थी। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर शाह फैसल टीम के साथ वरला पहुंचे। बड़वानी एसपी पद्मविलोचन शुक्ल और एसपी धीरज बब्बर के निर्देशन में वरला थाना प्रभारी नारायण रावल ने विशेष टीम



ओंकारेश्वर कावड़ पदयात्रा की मंडल बैठक

- ▶ गायत्री मंदिर में सम्पन्न हुई बैठक
- ▶ व्यवस्थाओं को लेकर हुई चर्चा



करीब 30 पद यात्री शामिल होंगे। श्रद्धा भक्ति से पानसेमल में ओंकारेश्वर तक पदयात्रा सम्पन्न करेंगे। सदस्यों को तैयारियों के लिए जिम्मेदारी भी सौंपी गई। अगस्त माह में कानूबाई माता के

उत्सव के बाद यह यात्रा शुरू होगी। 7 दिवसीय यात्रा श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के भजन और जयकारों के साथ निकलते हैं। जगह-जगह पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था भक्तों द्वारा की जाती है।



सेफ विलक 2.0 अभियान में सायबर जागरूकता की हुई गतिविधियां

आलीराजपुर। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्य स्तरीय विशेष साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के अंतर्गत अभियान के तृतीय दिवस 26 जून 2026 को जिला आलीराजपुर में व्यापक स्तर पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में पुलिस द्वारा आमजन को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, उनसे बचाव के उपायों तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

एसपी रघुवंश सिंह के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना आलीराजपुर, आजादनगर, बोरी, नानपुर, उदयगढ़, आम्बुआ सहित चौकी छकतला, बरझर एवं सेजावाड़ा क्षेत्र में हाट-बाजारों, सार्वजनिक

स्थलों, सामूहिक स्थानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां संचालित की गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों से सीधा संवाद कर उन्हें साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया। जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों को बताया गया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीकों से लोगों को उगी का शिकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, फर्जी निवेश योजनाएं, साइबर ब्लैकमेलिंग, लोन ऐप फ्रॉड और नकली कस्टरमर केयर नंबर जैसे अपराधों से बचने के लिए सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।